

प्रेषक,

एम0एच0 खान,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक, उद्योग,
उद्योग निदेशालय, उत्तराखण्ड,
देहरादून।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम अनुभाग

देहरादून: दिनांक: 17 जनवरी, 2015

विषय: वित्तीय वर्ष 2014-15 में "उद्यमियों को प्रोत्साहन करने हेतु पुरस्कार योजना" हेतु धनराशि स्वीकृत के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या: 318/XXVII(1) / 2014 दिनांक 18 मार्च, 2014 व शासनादेश संख्या: 80/अ0मु0स0/पी0एस0/2014-15 दिनांक 23.04.2014 एवं उद्योग निदेशालय के पत्रांक: 3906/उ0नि0(दो)-12/बजट-पु0यो0/2014-15 दिनांक 26.12.2014 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2014-15 में "उद्यमियों को प्रोत्साहन करने हेतु पुरस्कार योजना" हेतु अंतिम चरण में रू0 3.00 लाख (रू0 तीन लाख मात्र) की धनराशि संलग्न ऑलाटमेंट आई0डी0 S1501230076 दिनांक 08 जनवरी, 2015 के अनुसार निम्न प्रतिबंधों/शर्तों के अधीन व्यय किये जाने हेतु आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

(i) उक्त धनराशि आपके निर्वर्तन पर इस आशय से रखी जा रही है कि अपने अधीनस्थ कार्यालयाध्यक्ष/आहरण वितरण अधिकारियों को स्वीकृत धनराशि का आवंटन इन्टरनेट के माध्यम से साफ्टवेयर द्वारा किया जाना सुनिश्चित करें। स्वीकृत धनराशि को नियमानुसार एवं वास्तविक व्यय के अनुसार ही किशतों में आहरित एवं व्यय की जायेगी।

(ii) वितरण अधिकारी द्वारा उक्त धनराशि का मासिक व्यय विवरण बजट मैनुअल, उत्तराखण्ड में निर्धारित प्रपत्रों एवं निर्देशों के अनुसार व्यवस्थित करते हुए नियमित रूप से शासन को प्रेषित किया जायेगा।

(iii) व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। इस संबंध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/अन्य आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। व्यय मात्र उन्हीं मदों में किया जायेगा, जिन मदों में धनराशि स्वीकृत की जा रही हैं। यह आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने में बजट मैनुअल/वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों का उल्लंघन होता हो। धनराशि व्यय के उपरांत व्यय की गई धनराशि का मासिक व्यय विवरण निर्धारित प्रपत्र पर नियमित रूप से शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।

(iv) स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय वित्त विभाग के शासनादेश संख्या: 318/XXVII(1) / 2014 दिनांक 18 मार्च, 2014 में इंगित शर्तों/प्रतिबंधों के अधीन किया जायेगा।

(v) स्वीकृत धनराशि के व्यय के अनुरूप लाभार्थियों द्वारा संचालित योजनाओं का विस्तृत विवरण एवं लाभार्थियों की सूची माहवार शासन को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायी जायेगी तथा लाभार्थियों से प्राप्त धनराशि का विवरण भी शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।

(vi) स्वीकृत धनराशि का दिनांक 31.03.2015 तक पूर्ण उपयोग कर लिया जायेगा। वर्षान्त तक स्वीकृत धनराशि के विपरीत वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा। व्यय के

पश्चात् यदि कोई धनराशि अवशेष रहती है तो उसे दिनांक 31.03.2015 तक शासन को समर्पित कर दिया जायेगा।

2. उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2014-15 के अनुदान संख्या-23 के मुख्य लेखा शीर्षक-2851-ग्रामोद्योग तथा लघु उद्योग, 00-आयोजनागत, 800-अन्य व्यय, 06-उद्यमियों को प्रोत्साहन करने हेतु पुरस्कार योजना-00, 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता मद के नामे डाला जायेगा।

3. यह आदेश वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश सं० 318/XXVII(1)/2014 दिनांक 18 मार्च, 2014 में इंगित निर्देशानुसार जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक:- ऑलाटमेंट आई०डी० S1501230076 दिनांक 08 जनवरी, 2015

भवदीय,

(एम०एच० खान)
प्रमुख सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: (1)/VII-2-15/174-उद्योग/2006, तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्य हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओवराय विल्डिंग माजरा, देहरादून।
2. निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
3. निदेशक, वित्त एवं कोषागार सेवायें, 23 लक्ष्मी रोड, देहरादून।
4. गार्ड-फाईल।

आज्ञा से,

(डा० आर० राजेश)
अपर सचिव।

बजट आवंटन वित्तीय वर्ष - 20142015**Secretary, Small & Medium Scale Industry (S066)**

आवंटन पत्र संख्या -

अलोटमेंट आई डी - S1501230076

अनुदान संख्या - 023

आवंटन पत्र दिनांक -08-Jan-2015

HOD Name - Director Industries (2052)

- 1: लेखा शीर्षक 2851 - ग्रामोद्योग तथा लघु उद्योग 00 -
800 - अन्य व्यय 06 - उद्यमियों को प्रोत्साहन करने हेतु पुरस्कार योजना
00 - उद्यमियों को प्रोत्साहन करने हेतु पुरस्कार योजना

Plan Voted

मानक मद का नाम	पूर्व में जारी	वर्तमान में जारी	योग
20 - सहायक अनुदान/अंशदान/राज	300000	300000	600000
	300000	300000	600000

Total Current Allotment To Head Of The Department In Above Schemes -**300000**